मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल और एआईसीटीई के सहयोग से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट और टेक्नोलॉजी ट्रांसफ़र पर कार्यशाला आयोजित

नई दिल्ली, 18 जून, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के माननीय कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ़ के दूरदर्शी नेतृत्व में, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीआईई) ने कल शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के इनोवेशन सेल और एआईसीटीई के सहयोग से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट (आईपीआर) और टेक्नोलॉजी ट्रांसफ़र पर एक कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में 20 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया, जिसमें पूरे रीज़न के संकाय सदस्य, शोधकर्ता, छात्र और इनोवेशन लीडर्स शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत जामिया मिल्लिया इस्लामिया की पारंपरिक भावना के साथ तिलावत-ए-कुरान से हुई, जिसके बाद सीआईई के निदेशक और संस्थान की नवाचार परिषद (IIC 7.0) के अध्यक्ष प्रो. रिहान खान सूरी ने गर्मजोशी से स्वागत भाषण दिया। उन्होंने अकेडमिक कम्युनिटी के भीतर नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमशीलता की सोच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ और AICTE की पहलों पर एक ज्ञानवर्धक सत्र का संचालन शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ के नवाचार अधिकारी श्री अभिषेक रंजन ने किया। उन्होंने राष्ट्रीय नवाचार ढांचे, संस्थागत सहयोग तंत्र और भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में IIC की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की।

मुख्य अतिथि, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, रजिस्ट्रार जेएमआई ने अपने उद्घाटन भाषण में सीआईई को "शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ और AICTE के सहयोग से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट और टेक्नोलॉजी ट्रांसफ़र पर एक प्रभावशाली और शानदार ढंग से क्यूरेट की गई कार्यशाला" आयोजित करने के लिए बधाई दी।

"आईपीआर को समझना सिर्फ़ महत्वपूर्ण नहीं है - यह हर शोधकर्ता, इनोवेटर और नवोदित उद्यमी के लिए ज़रूरी है। पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क के ज़रिए इनोवेशन की रक्षा करना टिकाऊ, स्केलेबल समाधान बनाने की दिशा में पहला कदम है। जबकि जामिया ने कई पेटेंट दायर किए हैं, फिर भी बड़ी संख्या में इनोवेशन अभी भी व्यावसायीकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं, मुख्य रूप से आईपीआर और तकनीक हस्तांतरण के बारे में जागरूकता की कमी के कारण। मैं जागरूकता को बढ़ावा देने में MoE के इनोवेशन सेल और AICTE के इस बेहद ज़रूरी सहयोग की सराहना करता हूँ," प्रो. रिज़वी ने कहा।

प्रो. महताब रिज़वी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति (NISP) जैसी राष्ट्रीय प्रमुख पहलों के साथ कार्यशाला के एलाइन्मेन्ट पर भी प्रकाश डाला, संस्थानों से ऐसे तंत्रों को मज़बूत करने का आग्रह किया जो अकादमिक शोध को वास्तविक दुनिया के प्रभाव में बदल सकें।

प्रो. कफ़ील अहमद, डीन, रिसर्च और इनोवेशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने राष्ट्र निर्माण में आईपीआर और टेक्नोलॉजी ट्रांसफ़र के महत्व पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया, जिसमें प्रतिभागियों को विचार से कार्यान्वयन की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली की पेटेंट एवं डिजाइन परीक्षक सुश्री छवि गर्ग ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी दाखिल करने और प्रसंस्करण पर एक व्यापक सत्र आयोजित किया, जिसमें पेटेंट जीवनचक्र, दस्तावेज़ीकरण प्रक्रियाओं और कानूनी विचारों के बारे में जानकारी दी गई।

शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ के सहायक नवाचार निदेशक श्री प्रदीप ढगे ने टेक्नोलॉजी ट्रांसफ़र पर एक आकर्षक और व्यावहारिक सत्र का नेतृत्व किया। उन्होंने अकादमिक शोध का व्यावसायीकरण करने, उद्योग-अकादमिक संबंध बनाने और संस्थागत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के तरीकों के बारे में बताया।

एक विशेष खंड में, विभिन्न संस्थानों के छात्रों ने अपने अभिनव विचारों और प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया, जो भारत की उभरती स्टार्टअप संस्कृति की जीवंत ऊर्जा को दर्शाता है।

कार्यशाला का समापन नवाचार समन्वयक प्रो. एस. एम. मुजक्किर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ, एआईसीटीई, सभी वक्ताओं, संस्थानों और प्रतिभागियों को उनके उत्साही भागीदारी और योगदान के लिए गहरी सराहना व्यक्त की।

इस कार्यक्रम ने नवाचार, उद्यमशीलता और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी जागरूकता को बढ़ावा देने में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के नेतृत्व की पुष्टि की, साथ ही अकादमिक उत्कृष्टता को राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों के साथ जोड़ा।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी